इंडियन रेड क्रास सोसायटी और सेंट जॉन एम्बुलेंस (इंडिया)

की वार्षिक आम सभा

के

व्यावसायिक सत्र

में

श्री जे.पी. नड्डा,
माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री,
भारत सरकार

तथा

माननीय अध्यक्ष, इंडियन रेड क्रास सोसायटी और सेंट जॉन एम्बुलेंस (इंडिया)

का

18 नवंबर, 2014

को

डीआरडीओ भवन, नई दिल्ली

में संबोधन

डॉ (श्रीमती) कमला गिडवानी, सेंट जान एम्बुलेंस (इंडिया) के उपाध्यक्ष,

डॉ एसपी अग्रवाल, महासचिव, इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी और सेंट जॉन एम्बुलेंस (इंडिया)

प्रिय पुरस्कार विजेताओं, प्रेक्षकों, गणमान्य अतिथियों,

देवियो और सज्जनो,

1. मैं अपना संबोधन शुरू करने से पहले इंडियन रेडक्रास के अपने सभी साथियों और सेंट जॉन एम्बुलेंस (इंडिया) के सदस्यों तथा स्वयंसेवकों की ओर से माननीय राष्ट्रपति जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम में से कुछ समय निकालकर राष्ट्रपति भवन के सभागार में इन दोनों संगठनों की वार्षिक आम सभा के औपचारिक सत्र की मेजबानी करने पर अपनी सहमति दी, जो हमारी मानवीय गतिविधियों में उनकी अत्यधिक रुचि को दर्शाता है।

2. आज कई स्वयं सेवकों तथा सदस्यों के साथ-साथ दोनों संगठनों की शाखाओं ने विभिन्न व्यक्तिगत और संयुक्त प्रयासों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की मान्यता के रूप में माननीय राष्ट्रपति से पुरस्कार प्राप्त किए हैं। मेरा विश्वास है कि ये पुरस्कार विजेता दूसरे लोगों को भी मानव सेवा के इस महान किन्तु मुश्किल कार्य को करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करेंगे जिसके लिए भारतवासी सदियों से जाने जाते हैं। स्वयंसेवक दोनों संगठनों के सबसे महत्वपूर्ण घटक हैं। इनमें से ज्यादातर युवा लोग हैं और चूँकि वे इंडियन रेड क्रॉस और सेंट जॉन एम्बुलेंस (इंडिया) दोनों के संविधान में निहित सिद्धांतों के आधार पर मानव सेवा के कार्य को अपना रहे हैं, इसलिए मुझे पूरा विश्वास है कि देश का भविष्य सुरक्षित हाथों में है।

3. इस औपचारिक सत्र में मैंने, मई 2013 में आयोजित पिछली आम सभा के बाद से दोनों संगठनों की कुछ सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्रस्तुत किया था। इन दो वर्षों में,

भारत जो दुनिया के सर्वाधिक आपदा संभावित देशों में से एक है, ने कई बड़े और मध्यम स्तर की आपदाओं का सामना किया है जिसने लाखों उपेक्षित लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में फैली अपनी 700 से अधिक शाखाओं के माध्यम से अनेक कार्य करती है जिनमें, आपदा प्रबंधन, रक्त उपलब्ध कराना, निःशक्त व्यक्तियों को सेवा प्रदान करना, व्यावसायिक प्रशिक्षण देना तथा मातृ एवं बाल कल्याण योजनाएं चलाना शामिल है।

4. आईआरसीएस मुख्यालय प्रथम मेडिकल रिस्पान्डर कार्यक्रम को और कई राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में आगे बढ़ाने में सक्षम हुआ है। वास्तव में अब 18 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों की शाखाएं इस कार्यक्रम को कार्यान्वित कर रही हैं। इस कार्यक्रम के जरिए आईआरसीएस का उद्देश्य इन राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के सबसे अधिक प्रभावित जिलों में एफएमआर का एक संवर्ग सृजित करना है।

एफएमआर, आईआरसीएस के बहु दक्षता प्राप्त स्वयंसेवक हैं जो प्रभावित समुदायों से आते हैं। राज्य द्वारा तथा राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों द्वारा नियमित प्रशिक्षणों के माध्यम से ये स्वयं सेवक आपदाओं के प्रबंधन के लिए तुरन्त तत्पर होकर उन समुदायों को सहयोग प्रदान करते हैं जिन समुदायों से वे संबंधित होते हैं। मुझे यह सूचित करते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि ये एफएमआर वर्ष 2013 में और इस वर्ष उत्तराखण्ड, ओडिशा, आन्ध्र प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, बिहार, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, असम आदि राज्यों में उत्पन्न आपदाओं के बाद राहत एवं बचाव कार्य में सबसे आगे थे। हाल ही में जम्मू एवं कश्मीर में अचानक आयी भयानक बाढ़ के बाद इन एफएमआर स्वयंसेवकों ने उत्कृष्ट कार्य किया। इण्डियन रेड क्रॉस एफएमआर और स्वयंसेवक से राहत राहत सामग्री के वितरण तथा टेन्ट कॉलोनी बसाने, ढूढ़ने एवं बचाव कार्य, नौका सुविधा उपलब्ध कराने, लोगों का मनोबल बढ़ाने

तथा बाढ़ पीड़ितों को स्वस्छ पेयजल उपलब्ध कराने में अग्रणी भूमिका निभाई।

उनके प्रयासों की स्थानीय सरकार और संचार माध्यमों द्वारा सराहना की गई है। अब इस बात का प्रयास किया जा रहा है कि उन्हें आपदा की अवधि के अलावा पेयजल, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संवर्धन जैसे कार्यक्रमों के साथ भी जोड़ा जाए। इन राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में 6500 से अधिक एफएमआर हैं। इनके अलावा, 180 इंस्ट्रक्टर और अनुभवी प्रशिक्षक भी हैं जो इन स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण देते हैं।

5. आईआरसीएस में जल शुद्धिकरण मशीनों की संख्या भी बढ़ाई गई है। इनमें से 8 मशीने हाल ही में जम्मू एवं कश्मीर के विभिन्न स्थानों में लगायी गई हैं, जिनसे जरूरतमंद लोगों को प्रतिदिन 150,000 लीटर से अधिक स्वस्च्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

6. आईआरसीएस देश के विभिन्न भागों में हाल में आयी आपदाओं के दौरान अपने निजी संसाधनों में वृद्धि करते हुए टेन्ट, तिरपाल, रसोई से संबंधित सामग्री आदि जैसी गैर-खाद्य सामाग्री उपलब्ध कराई है।

7. आईआरसीएस, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एवं राष्ट्रीय आपदा वैटसन प्रबंधन दलों के लिए स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करता है, जिन्हें आपदाओं के दौरान विशेष सेवा प्रदान करने के लिए तैनात किया जाता है। गत वर्ष हमने बहादुरगढ़, अराकोन्नम और कोलकाता भण्डारग्रहों में संचालित प्रशिक्षणों से 31 नए एनडीआरटी सदस्यों को शामिल किया है। इन प्रशिक्षणों में संभारतंत्र (लॉजिस्टिक्स) पर विशेष जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त सोसायटी ने इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से संबद्ध आपदा प्रबंधन की तैयारी एवं पुर्नवास के संबंध में एक वर्ष का स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किया है और 8 बैचों से लगभग 300 योग्य आपदा प्रबंधकों को प्रशिक्षित किया गया है। इस पाठ्यक्रम के 9वें बैच में

दाखिला हो चुका है और कक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। यह सोसायटी आयुष विभाग के सहयोग से आयुर्वेद और योग के जरिए स्वास्थ्य को बढ़ाने वाले लोकप्रिय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का भी संचालन करती है जिसके 15 बैच पूरे हो चुके हैं।

8. मैं डॉ. एस.पी. अग्रवाल, महासचिव को बधाई देता हूं जिन्होंने अपनी पृष्ठभूमि, रुचि व विशेषज्ञता के कारण स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक पहलें प्रारंभ की हैं। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी पूरे देश में अपने 166 ब्लड बैंकों और दिल्ली में एक रक्त संग्रह में 10 प्रतिशत माडल ब्लड बैंक के जरिए कुल रक्तदान के 10 प्रतिशत का योगदान दे रही है। इनमें 90 प्रतिशत से अधिक रक्तदान स्वैच्छिक आधार पर किया जाता है। एनएचक्यू में ब्लड बैंक ने कुल 29000 यूनिट रक्त एकत्र किया जिसमें से लगभग 90 प्रतिशत रक्त स्वैच्छिक रक्तदान द्वारा एकत्र किया गया था। एकत्रित रक्त में 85 प्रतिशत रक्त सरकारी अस्पतालों में रोगियों और 900

से अधिक थैलिसीमिया के रोगियों को नि:शुल्क दिया जाता है जो दिल्ली में 50 प्रतिशत हैं।

9. इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी 5 राज्यों में तपेदिक नियंत्रण प्रयास कार्यक्रम के जरिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के प्रयासों में भी योगदान दे रही है। पिछली एपीएम के बाद से इस कार्यक्रम में 1635 रोगियों को शामिल किया गया है। वर्ष 2009 से इस कार्यक्रम के द्वारा इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी ने उन 3000 रोगियों को उपचार करने के लिए कार्यक्रम में पुन: शामिल किया है जिन्होंने डॉट्स थेरेपी को छोड़ दिया था तथा यह सुनिश्चित किया कि वे इस कोर्स को पूरा करेंगे। ऐसा करके कम से कम 500 रोगियों को घातक एमडीआर टीबी होने से बचाया गया जिसके उपचार में प्रति रोगी 2 लाख रुपए का खर्च आता है और इसके कारण रोगियों की संख्या और मृत्यु दर बढ़ जाती है। इस कार्यक्रम से लगभग 12000 परिवारों और 3 लाख सामुदायिक सदस्यों को लाभ मिला है।

10. देश में सैकड़ों स्कूलों और कॉलेजों में इडियन रेड क्रॉस सोसायटी की जूनियर और यूथ विंग मौजूद है। देशभर में जूनियर और यूथ कैंप आयोजित किए गए जाते हैं, जहां युवाओं को रेड क्रास के सिद्धांतों, प्राथमिक चिकित्सा, सड़क सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, एचआईवी/एड्स संबंधी जानकारी मानवीय मूल्यों आदि के संबंध में प्रशिक्षित किया जाता है। इन विंग के सदस्यों ने पोलियो अभियान, स्वच्छता संवर्धन अभियान जैसे हाथ धोना, पुरी उत्सव एवं गंगा-सागर मेला आदि में पारिवारिक संबंध बहाल करने जैसी विविध सामुदायिक गतिविधियों में भाग लिया है।

देवियो और सज्जनो,

11. इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी भारत में सबसे विशाल सांविधिक मानवीय संगठन है और सेंट जोन एंबुलेंस (इंडिया) की राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों के सैकड़ों क्षेत्रीय, जिला और स्थानीय केन्द्रों सहित पूरे भारत में व्यापक पहुंच है। दोनों

संगठन व्यावसायिकों को सांविधिक प्राथमिक चिकित्सा और संबद्ध प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। प्राथमिक चिकित्सा और संबद्ध विषयों में प्रशिक्षण छात्रों सहित आम जनता को भी प्रदान किया जाता है। इसके अलावा, सेंट जोन एसोसिएशन अपनी बिग्रेड विंग के माध्यम से प्राथमिक चिकित्सा और एंबुलेंस सेवाएं भी प्रदान करती हैं।

मुझे बताया गया है कि इंडियन रेड क्रॉस और द सेंट जोन एंबुलेंस ने पिछली एजीएम के बाद से अभी तक प्राथमिक चिकित्सा में छात्रों सहित लगभग 6 लाख व्यावसायिकों और आम जनता को प्रमाण-पत्र दिए हैं। मुझे इस बात की खुशी है कि इंडियन रेड-क्रॉस ने बेल्जियम रेड क्रॉस के सहयोग से साक्ष्य आधारित भारतीय प्राथमिक चिकित्सा दिशा-निर्देश बनाए हैं जो आने वाले समय में प्राथमिक चिकित्सा नियमावली के नए संस्करण का आधार बनेगा।

12. सेंट जोन एंबुलेस (इंडिया) अपने हजारों प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की बड़ी संख्या में स्थापित ब्रिगेड डिवीजनों के माध्यम से अपने कार्यकलाप भली-भांति चला रहा है। सेंट जॉन एंबुलेंस द्वारा दुर्घटना, धार्मिक समागमों और रैलियों के दौरान, समय पर मदद पहुंचाकर बहुमूल्य मानव जीवन को बचाना निस्वार्थ सेवा के उत्तम उदाहरणों मे से एक है। वे पूरे देश में स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस समारोहों के दौरान प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र और एंबुलेंस सेवाओं की स्थापना करके सेवा प्रदान कर रही हैं।

13. मैं आप सभी को तथा दोनों संगठनों के अन्य सदस्यों, जो आज यहां उपस्थित नहीं हैं, से स्वैच्छिक सेवा के भाग के रूप में स्वच्छ भारत अभियान में शामिल होने का आहवान करता हूँ। आपको स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करने में भी भाग लेना चाहिए जिससे हम अपने देश में 100 प्रतिशत स्वैच्छिक रक्तदान के माध्यम से पर्याप्त रक्त एकत्र करने के लक्ष्य को पूरा कर सकें। इसके अतिरिक्त, किसी भी

आपदा की स्थिति में लोगों को उबारने की शक्ति को बढ़ाने के लिए सामुदायिक स्तर पर तैयारी को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है।

देवियो और सज्जनो,

14. अंत में, मैं महासचिव और उनके दल को इंडियन रेड क्रॉस और सेंट जॉन एंबुलेंस (इंडिया) के विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई देना चाहूंगा। मैं उन भागीदारों का भी धन्यवाद करना चाहूंगा जो इन संगठनों में कार्यक्रम को लागू करने में सहायता प्रदान की है। मैं पुन: सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देता हूं तथा सभी शाखाओं एवं स्वयसंसेवकों को जरूरतमंद लोगों की सहायता करने के लिए रोजाना किए जा रहे इस शानदार और बेहतरीन कार्य के लिए हृदय से धन्यवाद देता हूं।

जय हिन्द ।

बुलेट बिंदु

1. आरंभिक टिप्पणियां

2. रेड क्रॉस और सेंट जॉन एंबुलेंस के लिए स्वेच्छा से अपनी सेवा प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करना।

3. इंडियन रेड-क्रॉस सोसायटी (आईआरसीएस) के बारे में।

4. आईआरसीएस - प्राथमिक चिकित्सा रेस्पांडर कार्यक्रम।

5. आईआरसीएस - जल शोधक इकाइयां

6. आईआरसीएस – राहत

7. आईआरसीएस प्रशिक्षण

8. आईआरसीएस – स्वास्थ्य से संबंधित क्रियाकलाप (रक्त संबंधी सेवाएं)

9. आईआरसीएस – स्वास्थ्य से संबंधित क्रियाकलाप (तपेदिक कार्यक्रम)

10. आईआरसीएस – जूनियर एवं यूथ रेड क्रास

11. सेंट जान एंबुलेंस और आईआरसीएस प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण

12. सेंट जान एंबुलेंस (इंडिया) के बारे में

13. “स्वच्छ भारत अभियान” और स्वैच्छिक रक्तदान में शामिल होने के लिए दोनों संगठनों के सदस्यों और स्वयसेवकों को प्रोत्साहित करना।

14. समापन टिप्पणियां ।